भारत के साथियान ने डब्ल्यूटीटी खिताब जीता

बैरूत । भारत के स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी साथियान ज्ञानशेखरन ने यहां हुए डब्ल्यूटीटी फीडर सीरिज टूर्नामेंट में खितबी जीत के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। साथियान इसी के साथ ही डब्ल्यूटीटी फीडर टेबल टेनिस एकल खिताब जीतने पहले भारतीय बन गये हैं। साथियान ने इस मुकाबले के अंतिम दिन पुरुष एकल में अपने ही हमवतन मानव ठक्कर को 3.1 (6.11, 11.7, 11.7, 11.4) से हराया। इससे पहले उन्होंने भारत के ही हरमीत देसाई को 15.13, 6.11, 11.8, 13.11 से मात दी थी। इसके बाद शीर्ष वरीयता प्राप्त चुआंग चिह युआन को 11.8, 11.13, 11.8, 11.9 से हराया था। पुरूष युगल में भारत के मानव ठक्कर और मानुष उत्पलभाई शाह फाइनल में एंडी परेरा और जॉर्ज कंपोस से 11.5, 7.11, 11.13, 12.14 से हार गए। इसके अलावा मिश्रित युगल में भी भारतीय जोड़ी को जीत मिली। भारत की दिया चितले और मानुष शाह ने अपने ही देश के मानव और अर्चना कामथ को 11.6, 10.12, 11.6, 11.6 से हराया। वहीं महिला एकल में शिया लियान ने खिताब जीता। लियान ने सुह यो वोन को 11.9, 11.5, 11.5 से पराजित किया।

वेलामल महिला ग्रांड मास्टर शतरंज : मैरी गोम्स नें लगाई जीत की हैट्रिक , कदम खिताब की ओर

चेन्नई

वेलामल एआईसीएफ़ महिला ग्रांड मास्टर राउंड रॉबिन टूर्नामेंट के सात राउंड के बाद भारत की तीन बार की राष्ट्रीय चैम्पियन महिला ग्रांड मास्टर मैरी एन गोम्स नें लगातार तीन जीत के साथ अपने कदम खिताब की ओर बढ़ा दिये है । मैरी नें छठे राउंड में टूर्नामेंट की टॉप सीड हमवतन वेलपुला सरायु को काले मोहरो से फ्रेंच ओपनिंग में 68 चालों तक चले मुक़ाबले में पराजित करते हुए टूर्नामेंट में अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी और फिर सातवें राउंड में उन्होने हमवतन महालक्ष्मी एम को सफ़ेद मोहरो से अपने प्यादो के शानदार एंडगेम के दम पर 51 चालों में पराजित करते हुए टूर्नामेंट में अपनी छठी जीत दर्ज की । इस जीत के साथ मैरी अब सात राउंड के बाद 6.5 अंक बनाते हुए अपनी नजदीकी प्रतिद्वंदी से 2 अंक आगे चल रही है और फिलहाल अपनी रेटिंग में 19 अंको का इजाफा करने में सफल रही है।सातवें राउंड में मंगोलिया की एंखतुल अलतान नें हमवतन उर्तशेख उरीइनतुया को पराजित करते हुए अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की है, मैरी के बाद एंखतुल अपराजित रहने वाली दूसरी खिलाड़ी है और उन्होने अब तक पाँच ड्रॉ और दो जीत दर्ज की है और फिलहाल 4.5 अंक बनाकर टाईब्रेक में दूसरे स्थान पर चल रही है। सातवे राउंड के अन्य मुकाबलों में भारत की वेलपुला सरायु नें कोलंबिया की एंजेला फ़्रांकों को , भारत की मोनिशा जीके नें हमवतन रिंधिया वी को और फ्रांस की नीनों मैसूरद्जे नें भारत की साक्षी चित्लांगे को पराजित किया जबकि इटली की एलेना सेदिना और भारत की अक्षया मौनिका के बीच बाजी अनिर्णीत रही । 10 लाख रुपेय पुरुष्कार राशि के इस 11 राउंड के टूर्नामेंट में अब भी चार राउंड खेले जाने बाकी है ।

आईपीएल में आज होगा

केकेआर और सनराइजर्स का मुकाबला

स्टार्क , कमिंस ओर श्रेयस पर रहेंगी नजरें

कोलकाता ।

आईपीएल के 17 वें सत्र में शनिवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला होगा। दोनो ही टीमें इस मैच को जीतकर अपने अभियान की अच्छी शुरुआत करना चाहेंगी। इस मैच में आईपीएल इतिहास के दो सबसे महंगे खिलाड़ियों के बीच होने वाली भिड़त देखने को मिलेगी। सबसे महंगे मिशेल स्टार्क जहां केकेआर की ओर से उतरेंगे। वहीं पैट कमिंस सनराइजर्स की कप्तानी करेंगे। ये दोनो ही ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी अपनी तेज गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में दोनो ही टीमों के बल्लेबाजों की भी कड़ी परीक्षा होगी। इसके अलावा चोट से वापसी कर रहे केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर पर भी सबकी नजरें रहेंगे। श्रेयस इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर लय हासिल करना चाहेंगे। कमर की चोट के कारण पिछले आईपीएल से बाहर रहे श्रेयस केकेआर की कप्तानी करेंगे। उन्होंने हाल ही में रणजी ट्रॉफी में मुंबई की ओर से अच्छी बल्लेबाजी की थी पर पर फिटनेस को लेकर वह परेशान रहे थे। अब देखना होगा कि वह किस प्रकार पूरे सत्र में खेलते हैं। केकेआर को इस सत्र में मेंटोर के तौर पर मिले गौतम गंभीर के अनुभवों से काफी लाभ होगा। गंभीर की कप्तानी में ही केकेआर ने दो बार खिताब जीता था। अब मेंटोर के रूप में गंभीर की ये दूसरी पारी है। घरेलू सर्किट में दिग्गज मुख्य कोच चंद्रकांत पंडित के साथ मिलकर उनका लक्ष्य टीम को जीत दिलाना रहेगा। टीम के पास इस बार स्टार्क जैसा तूफानी तेज गेंदबाज है। उसे केकेआर ने 24 करोड़ 75 लाख रुपए में खरीदा है। ऐसे में अब इस तेज गेंदबाज पर अच्छे प्रदर्शन का काफी दबाव होगा। पावरप्ले और डैथ ओवरों में उनके स्पैल निर्णायक साबित हो सकते हैं। इसके अलावा केकेआर के पास स्टार्क और आंद्रे रसेल जैसे दो अनुभवी तेज गेंदबाज है और उनकी जगह लेने के लिए उनके जैसा कोई विकल्प नहीं है लिहाजा कार्यभार प्रबंधन में सावधानी बरतनी होगी। केकेआर के पास बल्लेबाजी में अय्यर के अलावा रिंकू सिंह, रसेल, रहमानुल्लाह गुरबाज, फिल साल्ट और वेंकटेश अय्यर जैसे खिलाड़ी हैं। वहीं स्पिन गेंदबाजी की कमान सुनील नारायण, वरूण चक्रवर्ती और सुयश शर्मा पर रहेगी। वहीं दूसरी ओर सनराइजर्स की कप्तानी ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान कमिंस के हाथ में होगी जिन्हें 20 करोड़ 50 लाख रूपये में खरीदा गया है। वह आईपीएल के दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी हैं और पिछले तीन सत्र में आखिरी स्थान पर रही सनराइजर्स की किस्मत बदलने की जिम्मेदारी उन पर होगी। कमिंस के पास कप्तानी का अच्छा अनुभव है। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई टीम को हाल में में विश्वकप सहित कई और मुकाबलों में भी जीत दिलायी थी। सनराइजर्स के पास ट्रेविस हेड और हेनरिच क्लासेन जैसे बल्लेबाज हैं जबकि गेंदबाजी में कमिंस के अलावाके डैथ ओवरों के विशेषज्ञ भुवनेश्वर कुमार भी होंगे। स्पिन की जिम्मेदारी श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा और वॉशिंगटन सुंदर जिम्मा संभालेंगे।

आईपीएल 2024 में धोनी और रोहित का युग समाप्त हुआ

मुम्बई ।

आईपीएल 2024 सत्र के साथ ही दो महान कप्तानों का युग समाप्त हो गया। दोनो ही पांच-पांच बार आईपीएल ट्रॉफी अपनी टीम को जितायी है। जहां मुम्बई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा को हटाया गया है। वहीं चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की कप्तानी महेन्द्र सिंह धोनी ने स्वयं ही छोड़ दी। मुम्बई ने जहां रोहित की जग हार्दिक पंड्या को नया कप्तान बनाया है। वहीं सीएसके ने युवा ऋतुराज गायकवाड़ को ये जिम्मेदारी सौंपी है।

रोहित की कप्तानी में मुम्बई ने 2013 से 2023 तक 5 बार खिताब दिलाया है। वहीं धोनी ने पहले सीजन से 2023 तक चेन्नई सुपर किंग्स को 5 बार चैम्पियन बनाया है। सीएसके टीम ने यह सभी खिताब 2010, 2011, 2018, 2021 और 2023 सीजन में जीते हैं।। मुंबई फ्रेंचाइजी ने ट्रेड के जरिए पंड्या को अपनी टीम में शामिल किया और कप्तानी सौंप दी। दूसरी ओर चेन्नई टीम ने 2019 में गायकवाड़ को खरीदा था। तब से ही वह सीएसके के

लिए ही खेल रहे हैं। गायकवाड़ चेन्नई टीम के चौथे कप्तान होंगे। इससे पहले धोनी, रविन्द्र जडेजा और रैना भी कप्तानी कर चुके हैं। रोहित ने 2013 से 2023 तक अपनी कप्तानी में मुंबई टीम को 5 बार (2013, 2015, 2017, 2019 और 2020) खिताब जिताया है। रोहित ने इस दौरान मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल में 158 मैचों में कप्तानी की। जिसमें मुंबई टीम को 87 मुकाबलों में जीत मिली जबकि 67 मैचों में उसे हार झेलनी पड़ी। इस दौरान 4 मैच टाई रहे। धोनी की कप्तानी में चेन्नई टीम ने आईपीएल इतिहास में अब तक 12 बार प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया है। इस दौरान सीएसके टीम ने 10 बार फाइनल खेला, जिसमें से टीम 5 बार खिताब जीतने में सफल रही।

श्रीकांत और राजावत स्विस ओपन बैडमिंटन के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

सिंधु प्री-क्वार्टर फाइनल में हारीं

बेसल ।

भारत के किदांबी श्रीकांत और प्रियांशु राजावत जीत के साथ ही बीडब्ल्यूएफ स्विस ओपन, सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गए हैं। श्रीकांत ने मलेशियाई ली जी जिया को केवल 36 मिनट में ही सीधे सेट में 21-16, 21-15 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी। वहीं राजावत ने चीन के लेई लांक्सी को सीधे गेम में 21-14, 21-13 से हराया। राजावत ने पहले दौर में हांगकांग के विश्व नंबर 14 ली चेउक यियू को हराया था। श्रीकांत का मुकाबला अब क्वार्टरफाइनल में चीनी ताइपे के चिया हाओ ली से होगा। वहीं राजावत का सामना चीनी ताइपे के चाउ टीएन चेन से होगा। भारत के ही एक अन्य पुरुष एकल खिलाड़ी किरण जॉर्ज ने एलेक्स लैनियर को कड़े मुकाबले में 18-21, 22-20, 21-18 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अब वह सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए डेनमार्क के रासमस गेम्के से मुकाबला करेंगे। वहीं महिला वर्ग में भारत की पीवी सिंधु को जापान की टोकोमा मियाजाकी के हाथों प्री-क्वार्टर फाइनल में ही हार का सामना करना पड़ा। सिंधु को एक घंटे और 19 मिनट तक चले मैच में टोकोमा ने 21-16, 19-21,16-21 से हराया।

भारतीय महिला हॉकी टीम को नई मजबूती देंगे, यह वादा है : कप्तान सविता पूनिया

नई दिल्ली ।

रांची में ओलंपिक क्वालीफायर में हार का दर्द जिंदगी भर उन्हें सालता रहेगा लेकिन भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पूनिया का वादा है कि अगले चार साल में इतनी मजबूत टीम बनायेंगे कि यह दिन दोबारा नहीं देखना पड़े। सविता ने कहा, 'ओलंपिक क्वालीफायर हारना हमारे लिये ऐसा बुरा पल है जिसे हम खिलाड़ी पूरी जिंदगी शायद नहीं भुला सकेंगे। अभी तक मैं उससे उबर नहीं सकी हूं। रियो ओलंपिक 2016 के जरिये 36 साल बाद ओलंपिक में लौटी भारतीय महिला हॉकी टीम तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथे स्थान पर रही थी। रांची में जनवरी में खेले गए क्वालीफायर में हालांकि जापान से हारकर उसने पेरिस ओलंपिक जाने का मौका गंवा दिया। इस अनुभवी गोलकीपर ने कहा, 'मैं उसके बारे में बात नहीं करना चाहती थी क्योंकि इससे दुख ही होता है। हमने तोक्यो में चौथे स्थान पर रहने की खुशी देखी और अब ओलंपिक नहीं खेलने का दर्द भी। लेकिन हम खिलाड़ी हैं और हार जीत हमें बहुत कुछ सिखाती है। लेकिन कम से कम हमें यह मलाल नहीं है कि हमने अच्छा नहीं खेला। उन्होंने कहा, 'हम सभी ने अपना शत प्रतिशत दिया और हमारी तैयारी बहुत अच्छी थी। वादा करते हैं कि अगले टूर्नामेंटों में अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे। शायद इस हार के पीछे हमारी बदकिस्मती थी। लोगों से ज्यादा हम खुद दुखी हैं। हमने बहुत मेहनत की थी। सब कुछ झोंक दिया था। उन्होंने कहा, 'यह हमारे लिए सबक है। मुझे अपने सफर का पता नहीं लेकिन कोशिश रहेगी कि अगले चार साल में टीम को इतना मजबूत बनाए कि ओलंपिक और विश्व कप में खेलें और अच्छा खेलें। भारत के लिये 2008 में सीनियर स्तर पर पदार्पण करने वाली सविता ने कहा, 'लोग सिर्फ नतीजे देखते हैं लेकिन एक सीनियर खिलाड़ी या कप्तान के तौर पर मैं कह सकती हूं कि हमारा प्रदर्शन ग्राफ ऊपर ही गया है। छह साल बाद सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप खेल रही इस खिलाड़ी ने कहा, 'खेल की अच्छी बात यही है कि आपको पिछला भुलाकर बहुत जल्दी आगे बढ़ना पड़ता है। इसलिए मैं पुणे में सीनियर राष्ट्रीय महिला चैम्पियनशिप खेलने आई क्योंकि हॉकी मेरा जुनून है और मैदान से जितना दूर रहूंगी, ये बात परेशान करती रहेगी। क्वालीफायर हारने के बाद टीम को मिले ब्रेक में खिलाड़ियों को सारा दुख दर्द भुलाकर नये सिरे से लौटने के लिये कहा गया था। सविता ने कहा, 'घर पर पांच से दस दिन कुछ भी अच्छा नहीं लग रहा था। बहुत कोशिश की लेकिन शरीर साथ नहीं दे रहा था। फिर योग और प्राणायाम का सहारा लिया और फिटनेस पर ध्यान दिया। उन्होंने कहा, 'क्वालीफायर के बाद एक सप्ताह घर पर थे और सभी खिलाड़ियों को कहा कि जितना रोना है, उदास होना है यह ब्रेक उसी के लिए है। भीतर रखने से कुछ नहीं होगा और इसे बाहर निकालना जरूरी है।

इस ब्रेक में ओलंपिक क्वालीफायर के बारे में किसी ने बात नहीं की। ओलंपिक क्वालीफायर हारने के दस दिन बाद ही भुवनेश्वर में एफआईएच प्रो लीग खेलना काफी चुनौतीपूर्ण था लेकिन भारतीय टीम ने आस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम को भी हराया। सविता ने कहा, 'प्रो लीग के लिए टीम भुवनेश्वर में एकत्र हुई तो पहली टीम बैठक में यही देखा कि सभी को कैसा महसूस हो रहा है। युवाओं का मनोबल ऊंचा रहना जरूरी था। टीम को भी श्रेय जाता है कि हमने एकजुट होकर प्रो लीग खेला।

संक्षिप्त समाचार

आईपीएल से खेल में वापसी पर बेहद खुश हैं ऋषभ

नई दिल्ली । आक्रामक विकेट कीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत खेल में वापसी को लेकर बेहद खुश हैं। ऋषभ आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान हैं। वह कार हादसे के 14 महीने बाद मैदान पर लौटे हैं। उन्होंने वापसी पर कहा कि वह खुश हैं कि वह भयानक हादसे के बाद भी जीवित हैं और इस पल का आनंद ले रहे हैं। वह दिसंबर 2022 में एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रुप से घायल हो गये थे। इसके बाद लंबे समय तक वह बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैब के दौर से गुजरे। कार दुर्घटना के बाद खेल में वापसी पर इस क्रिकेटर ने कहा कि वह बता नहीं सकते कि उस भावना को बता वर्णन नहीं कर सकते जब उन्होंने हादसे से उबरकर पहली बार बल्ला पकड़ा था। शुरुआत में मैं बैसाखी का उपयोग करके चल रहा था, फिर मुझे इसकी आवश्यकता नहीं थी। फिर मैंने चलना शुरू किया, फिर जॉगिंग शुरू की और फिर दौड़ना। फिर बल्लेबाजी और फिर विकेटकीपिंग। मुझे वे विशेष तारीखें याद नहीं हैं पर निश्चित रूप से उन पलों को याद करता हूं। दुर्घटना के बाद जब मैंने पहली बार बल्ला पकड़ा तो मैं उस अहसास का वर्णन नहीं कर सकता। यह आश्चर्यजनक था। आप किसी चीज के कारण मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। वह अहसास कुछ ऐसा ही था। मुझे नहीं लगा कि मैं पहली बार खेल रहा हूं, लेकिन ऐसा भी नहीं लग रहा था कि मैं पहले खेल चुका हूं। एक अलग तरह की ऊर्जा और अहसास था। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें दिल्ली कैपिटल्स में लौटने पर कोई दबाव महसूस होता है, तो उन्होंने कहा कि पहली भावना यह है कि मैं खुश हूं कि मैं जीवित हूं। यदि आप जीवित नहीं हैं, तो आप किसी और चीज के बारे में सोच भी कैसे सकते हैं। प्रवाह के साथ रहना और इन क्षणों का आनंद लेना जरूरी है। इस क्रिकेटर ने कहा कि जब सफर इतना लंबा हो तो निराशा तो होती ही है। हम मंजिल की तलाश में रहते हैं। आपको सफर का मजा लेना चाहिए।

साल 2022 में धोनी के अचानक कप्तानी छोड़ने पर हैरान हुए थे : फ्लेमिंग

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा है कि साल 2022 में जब अचानक ही महेन्द्र सिंह धोने ने कप्तानी छोड़ दी थी तब हम हैरान को गये थे क्योंकि तब हम इसके लिए तैयार नहीं थे। उस सत्र में रविन्द्र जडेजा को कप्तानी सोंपी गयी थी पर जब वह सफल नहीं हुए तो धोनी को वापस ये जिम्मेदारी संभालनी पड़ी। फ्लेमिंग ने कहा कि धोनी को क्रिकेट की खासी समझ है पर हम युवा खिलाड़ियों को इस भूमिका के लिए तैयार करना चाहते थे। इस बार हम तैयार हैं। उन्होंने कहा कि पिछली बार धोनी ने कप्तानी छोड़ी तो हम स्तब्ध रह गए थे क्योंकि हम इसके लिए तैयार नहीं थे। इस बार हमें पता था कि वह कप्तानी छोड़ने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम नए कप्तान तैयार करने पर मेहनत कर रहे थे। युवाओं पर भरोसा करने का फायदा मिला है। मैंने नये कप्तान रूतुराज से कप्तानी के बारे में बात की है। उसके लिए यह अपने को साबित करने का अच्छा अवसर है। उन्होंने कहा कि आईपीएल से पहले अभ्यास मैचों में धोनी फिट लग रहे हैं और इस बार फिटनेस की कोई समस्या नहीं होगी।

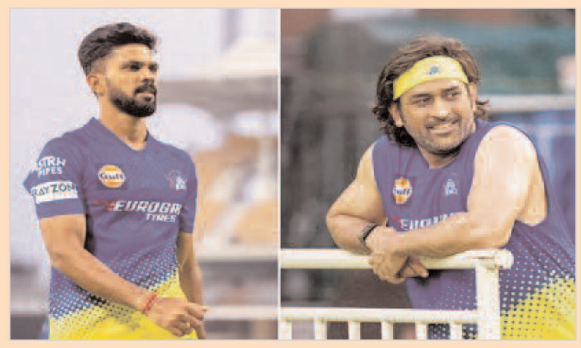

सीएसके में ही सीखा सफलता का मंत्र : रुतुराज

धोनी ने पहले ही दे दिया था कप्तानी का संकेत

चेन्नई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के नये कप्तान बने रुतुराज गायकवाड़ ने कहा हैं कि उन्होंने इस टीम में रहते ही सीखा है कि किस प्रकार सफलता हासिल की जाती है। रुतुराज ने कहा कि पूर्व सीएसके कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का मैदान पर होना ही एक अहम बात है। वह टीम के लिए एक रीढ़ की हड्डी की तरह हैं। इसके अलावा टीम में रविन्द्र जडेजा और आजिंक्य रहाणे जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। इसलिए वह टीम में किसी प्रकार का भी बदलाव नहीं चाहते हैं। उन्होंने कप्तानी मिलने पर कहा, पहले दिन से ही, मुझे यह पसंद आया कि यह फ्रेंचाइजी कैसे चलती है, मुझे पता चला कि सफलता का मंत्र क्या है और मैं इसमें थोड़ा भी बदलाव करना पसंद नहीं करता। मेरे लिए मैदान पर धोनी जैसे अनुभवी का होना बहुत बड़ी बात है। मेरी टीम में जड़ेजा और रहाणे जैसे खिलाड़ी हैं , इसलिए मैं ऐसा नहीं सोचता कि मुझे कुछ भी बदलने की जरूरत है, बस खिलाड़ियों को वह आजादी देनी है जो वे चाहते हैं। मुझे लगता है कि सब कुछ ठीक होगा। उन्होंने यह भी कहा कि आईपीएल के पिछले सत्र के दौरान ही धोनी ने उन्हें आईपीएल के 17वें सत्र में कप्तानी संभालने के बारे में संकेत दिया था। गायकवाड़ ने कहा, आप जानते हैं कि पिछले साल ही माही भाई ने कप्तानी के बारे में संकेत दिया था। बस संकेत दिया था कि तैयार रहें और यह आपके लिए हैरानी की बात नहीं होनी चाहिए।

ऋषभ पहले की तरह ही शॉट लगा रहे : पोंटिंग

लय हासिल करने अतिरिक्त प्रयास भी किये

नई दिल्ली । आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने इसपर खुशी जतायी है कि कप्तान ऋषभ पंत पहले की तरह ही सभी प्रकार के शॉट लगा रहे हैं। पोंटिंग के अनुसार ऋषभ ने कार हादसे से उबरने के बाद जिस प्रकार से आईपीएल से मैदान पर वापसी की है जिससे टीम भी उत्साहित है। साथ ही कहा कि वह पहले की तरह ही सभी प्रकार के शॉट खेल रहे रहे हैं जिन्हें वह पहले खेला करते थे। उन्होंने सर्जरी के बाद अपने शरीर को फिट करने के लिए अतिरिक्त प्रयास भी किये हैं। वह कार हादसे के कारण ही गत वर्ष आईपीएल से बाहर थे। पोंटिंग ने कहा, 'वह पूर्व में आईपीएल से पहले जितनी बल्लेबाजी करता था उसकी तुलना में उसने पिछले सप्ताह काफी अधिक बल्लेबाजी की जिससे वह लय हासिल कर सके। इसके जरिये वह फिर से अपने शरीर को खेल के अनुरुप ढ़ालना चाहता है। वह कभी हार नहीं मानने वाला खिलाड़ी है और सबसे अहम बात यह है कि उसके चेहरे पर मुस्कान है जिसे हम सभी देखना पसंद करते हैं।'दिल्ली कैपिटल्स फ्रेंचाइजी ने फिटटेस टेस्ट में पास होने पर ऋषभ को दोबारा कप्तान बनाने की घोषणा की थी। पिछले सत्र में उनके नहीं खेलने से दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी डेविड वॉर्नर ने की थी।

शुभमन को अपने फैसले लेने प्रेरित करुंगा : विलियमसन

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन ने आईपीएल 2024 सत्र के लिए गुजरात टाइटंस के कप्तान बने शुभमन गिल की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उनके पास एक बेहतर कप्तान बनने की सभी क्षमताएं हैं। विलियमसन के अनुसार अगर इस टूर्नामेंट में शुभमन को मेरी किसी सहायता की जरुरत पड़ेगी तो मैं उपलब्ध रहूंगा। विलियमसन ने कहा, 'शुभमन एक अच्छा खिलाड़ी है और उसके पास क्रिकेट को लेकर एक अच्छा दिमाग है। मैं निश्चित तौर पर उसे इस राह पर आगे बढ़ने और अपने फैसले लेने के लिए प्रेरित करूंगा। इसमें कोई संदेह नहीं कि वह भी ऐसा ही करने का प्रयास करेगा। पांड्या के मुंबई इंडियंस में जाने के बाद ही शुभमन को गुजरात टाइटंस का कप्तान बनाया गया था। आईपीएल में कप्तानी करना उनके लिए नया अनुभव होगा पर विलियमसन ने कहा कि गिल को जब भी उनकी मदद की जरूरत पड़ेगी, वह हमेशा इसके लिए तैयार रहेंगे। विलियमसन ने कहा, 'मुझे शुभमन की किसी भी तरह से मदद करने में बहुत खुशी होगी और शुभमन भी इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं। टाइटंस ने 2022 में आईपीएल का खिताब जीता था जबकि इसके एक साल बाद वह उपविजेता रहा था। विलियमसन का मानना है कि गिल टीम को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त योग्यता रखते हैं।